Date 14/12/2020
Page

सर्व शिक्षा अभियान (SSA)

सर्व शिक्षा अभियान का कार्यान्वयन वर्ष 2000-2001 से किया गया जिसका उद्देश्य सार्वभौमिक सुलभता एवं प्रतिधारण प्रारम्भिक शिक्षा में बालक-बालिका एवं सामाजिक श्रेणी के अन्तरों को दूर करने तथा अधिगम की गुणवत्ता में सुधार हेतु विविध अन्तः क्षेपों में अन्य बातों के साथ-साथ नये स्कूल खोला जाना तथा वैकल्पिक स्कूली सुविधाएं प्रदान करना नियमित अध्यापकों का सेवाकालीन प्रशिक्षण तथा अकादमिक संसाधन सहायता, निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें एवं वर्दियाँ तथा अधिगम स्तरों/परिणामों में सुधार हेतु सहायता प्रदान करना शामिल है।

सर्व शिक्षा अभियान एक जिला आधारित एवं विशिष्ट केन्द्रित योजना है इसके लिए स्कूल प्रणाली को सामुदायिक स्वामित्व में विकसित करने की रणनीति अपना कर कार्य किया जा रहा है।

योजना

Date 15 12

Page

यह योजना पूरे देश मे लागू की गई है। इसमे सभी प्रमुख सरकारी शैक्षिक पहल को शामिल किया गया है और इसमे सभी प्रमुख सरकारी किया गया है।
इस अभियान के अन्तर्गत राज्यो की भागीदारी से 6-14 आयु वर्ग के सभी बच्चो को 2010 तक प्रारम्भिक शिक्षा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया था।
सभी व्यक्ति को अपने जीवन की बेहतरीन का अधिकार है।
लेकिन दुनियाभर के बहुत सारे बच्चे इस अवसर के अभाव मे ही जी रहे है क्योकि उन्हे प्राथमिक शिक्षा जैसे अनिवार्य मूलभूत अधिकार भी मुहैया नही कराई जा रहा है।
भारत मे बच्चो को साक्षर करने की दिशा मे चलाये जा रहे कार्यक्रमो के परिणाम स्वरूप वर्ष 2000 के अन्त तक भारत मे 94% ग्रामीण बच्चो को उनके आवास से 1 किमी की दूरीपर

उपलब्धता

Date 26 12 20

प्राथमिक विद्यालय एवं 3 किमी पर उच्च प्राथमिक विद्यालय की सुविधाएं उपलब्ध थी। अनुसूचित जाति व जनजाति वर्गों के बच्चों तथा बालिकाओं का अधिक से अधिक नामांकन कराने के उद्देश्य से विशेष प्रयास किये गये। प्रथम पंचवर्षीय योजना से लेकर अबतक प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयो में नामांकन लेने वाले बच्चों की संख्या एवं स्कूलो की संख्या मे निरन्तर वृद्धि हुई है। 1950-1951 में जहाँ प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए 3.1 मिलियन बच्चों ने नामांकन लिया था वहीं 1997-98 मे इनकी संख्या बढकर इनकी संख्या बढकर 39.5 मिलियन हो गई। इसी प्रकार 1950-1951 में प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयो की संख्या 0.223 मिलियन थी जिसकी संख्या 1996-97 में बढकर 0.775 मिलियन हो गई एक अनुमान के

Date 27 1 20

Page

मुताबिक वर्ष - 2002-03 में 6-14 आयु वर्ष के 82% बच्चो ने विभिन्न विद्यालयों मे नामांकन लिया था भारत सरकार का लक्ष्य इस संख्या को इस देशक के अन्त तक 100% तक पहुँचाना है।

जैसा की हम सभी जानते है कि विश्व से स्थाई रूप से गरीबी को दूर करने और शान्ति व सुरक्षा का मार्ग प्रशस्त करने के लिए जरूरी है। दुनिया के सभी देशो के नागरिको एवं उसके परिवारो को अपनी पसन्द का जीवन जीने का विकल्प चुनने मे सक्षम बनाया जाय इस लक्ष्य को पाना तभी तक सम्भव है जब दुनिया भर के बच्चो को कम से कम प्राथमिक विद्यालय के माध्यम से उच्च स्तरीय स्कूली सुविधाएँ उपलब्ध करायी जाय

Date
Page

शैक्षिक प्रशासन →

शैक्षिक प्रशासन की प्रमुख धारा में सुधार संस्थागत विकास की नयी पहल को शामिल करके और लागत प्रभावी और कुशल पद्धतियाँ अपना कर शैक्षिक प्रशासन की मुख्य धारा मे सुधार करने की अपेक्षा है।

पूर्ण पारदर्शिता युक्त सामुदायिक निरीक्षण

इस कार्यक्रम मे सामुदायिक आधारित पद्धति अपनायी जायेगी शैक्षिक प्रबन्धन सूचना पद्धति, माइक्रो योजना और सर्वेक्षण से समुदाय आधारित सूचना के साथ स्कूल आधारित सूचना / आकड़ो का सम्बन्ध स्थापित करेगा इसके अतिरिक्त प्रत्येक स्कूल एक नोटिस बोर्ड रखेगा जिसमे स्कूल द्वारा प्राप्त किये गये सारे अनुदान और अन्य ब्यौरे दर्ज किया जायेगा।

इकाई योजना के रूप मे बस्ती →

सर्व शिक्षा अभियान आयोजना की इकाई के रूप मे

Date
Page

समुदाय के प्रति जबाव देही →

सर्व शिक्षा अभियान में शिक्षको, अभिभावको और पंचायती राज संस्थाओ के बीच सहयोग तथा जबाव देही एवं पारदर्शिता की परिकल्पना की गयी है।

लड़कियों की शिक्षा →

लड़कियो से तात्पर्य अनुसूचित जाति की लड़कियो जन जाति की लड़कियो की शिक्षा सर्व शिक्षा अभियान का एक प्रमुख लक्ष्य है।

विशेष समूह पर ध्यान →

अनु० जाति एवं जन जाति एवं धार्मिक भाषाई अल्प संख्यक वंचित वर्ग के बच्चो और विकलांग बच्चो की शैक्षिक सहभागिता पर विशेष ध्यान दिया जायगा।

परियोजना पूर्व चरण →

SSA अभियान पूरे देश में लागू करना